

श्रीः
श्रीमते रामानुजाय नमः
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

॥ श्रीरामाष्टकम् ॥

This document has been prepared by

Sunder Kidāmbi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

॥ श्रीरामाष्टकम् ॥

श्रीराम राम रघुनन्दन राम राम
श्रीराम राम भरताग्रज राम राम।
श्रीराम राम रणकर्कश राम राम
श्रीराम राम शरणं भर राम राम ॥ 1 ॥

श्रीराम राम दिरिजेश्वर राम राम
श्रीराम राम मनुजेश्वर राम राम।
श्रीराम राम जगदीश्वर राम राम
श्रीराम राम शरणं भर राम राम ॥ 2 ॥

श्रीराम राम त्रिबुधाश्रय राम राम
श्रीराम राम जगदाश्रय राम राम।
श्रीराम राम कमलाश्रय राम राम
श्रीराम राम शरणं भर राम राम ॥ 3 ॥

श्रीराम राम गुणसागर राम राम
श्रीराम राम गुणदूषण राम राम।
श्रीराम राम गुणभाजन राम राम
श्रीराम राम शरणं भर राम राम ॥ 4 ॥

श्रीराम राम शुभमङ्गल राम राम
श्रीराम राम शुभलक्षण राम राम।
श्रीराम राम शुभदायक राम राम
श्रीराम राम शरणं भर राम राम ॥ 5 ॥

श्रीराम राम सुजनप्रिय राम राम
श्रीराम राम सुमुनिप्रिय राम राम।
श्रीराम राम सुकरिप्रिय राम राम
श्रीराम राम शरणं भव राम राम ॥ 6 ॥

श्रीराम राम कमलाकर राम राम
श्रीराम राम कमलेक्षण राम राम।
श्रीराम राम कमलाप्रिय राम राम
श्रीराम राम शरणं भव राम राम ॥ 7 ॥

श्रीराम राम दनुजासुक्त राम राम
श्रीराम राम दुरितासुक्त राम राम।
श्रीराम राम नरकासुक्त राम राम
श्रीराम राम शरणं भव राम राम ॥ 8 ॥

श्रीरामचन्द्रः स पुनातु नित्यं
यन्नाममध्येन्द्रमणिं रिधाय।
श्रीचन्द्रमुक्ताफलयोरुमाया -
शकार कर्थाभरणं गिरीशः ॥ 9 ॥

श्रीरामचन्द्रचरणौ मनसा स्मरामि
श्रीरामचन्द्रचरणौ रचसा गुणामि।
श्रीरामचन्द्रचरणौ शिरसा नमामि
श्रीरामचन्द्रचरणौ शरणं प्रपद्ये ॥ 10 ॥

रामाष्टकमिदं पुण्यं प्रातः काले तु यः पठेत्।
मुच्यते सर्वपापेभ्यो विष्णुलोकं स गच्छति ॥ 11 ॥

॥ इति श्रीरामाष्टकं समाप्तम् ॥